हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 2)(भीष्म साहनी– दो गौरैया)

(कक्षा 8)

अभ्यास

1. पाठ से

प्रश्न कः

दोनों गौरैयों को पिताजी जब घर से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे तो माँ क्यों मदद नहीं कर रही थी ?बस, वह हँसती क्यों जा रही थी ?

उत्तर कः

क्योंकि मॉ नहीं चाहती थीं कि गौरैया का घर उजड़ जाए इसलिए वे पिताजी की मदद नहीं कर रहीं थीं। और गौरैया भी पिताजी के बाहर निकालने की कोशिश को खेल समझ रहीं थीं । इसीलिए वे आवाज सुनकर घोंसले में से गर्दन निकालकर बाहर झॉकती थी और फिर घोंसले में घुस जाती थीं।

प्रश्न खः

देखो जी, चिड़ियों को मत निकालो। माँ ने पिताजी से गंभीरता से यह क्यों कहा ?

उत्तर खः

मॉ इसलिए परेशाान थीं कि यदि चिड़िया ने अन्डे दिए होंगे तो वे टूट सकते हैं और चिड़िया परेशाान हो सकती है । इसलिए उन्होने पिताजी से गंभीरता से कहा कि चिड़ियों को मत निकालो।

प्रश्न गः

किसी को सचमुच बाहर निकालना हो तो उसका घर तोड़ देना चाहिए, , पिताजी ने गुस्से में ऐसा क्यों कहा? क्या पिताजी के इस कथन से माँ सहमत थी ? क्या तुम सहमत हो ? अगर नहीं तो क्यों?

उत्तर गः

पिताजी के इस कथन से मॉ बिल्कुल भी सहमत नहीं थीं वे किसी का भी घर तोड़ने के पक्ष में नहीं थीं उनके अनुसार अगर चिड़ियों का घर तोड़ा गया तो वे बेचारी कहॉ जाएगी और उनके बच्चों और अंडों का क्या होगा । हम इस बात से पूर्णतः असहमत हैं वह तो चिडिया है यदि किसी के साथ भी ऐसा हो तो उसके हृदय पर क्या बीतेगी ।

प्रश्न घः

कमरे में फिर से शोर होने पर भी पिताजी अबकी बार गौरैया की तरफ़ देखकर मुस्कुराते क्यों रहे ?

उत्तर घः

जब पिताजी घोंसला तोड़ने चले तो उसमें अंडे देखकर उन्होंने उसे वापस रख दिया फिर गौरैया की तरफ देखकर वे मुस्कारने लगे क्योंकि अब उन्हें पता चल चुका था कि किसी का घर तोड़ना उचित नहीं गौरैया बच्चों के होने पर कुछ दिन चीं–चीं कहेगी उसके बाद बच्चे खुद ही चिड़िया के साथ उड़कर कहीं और चले जाएंगे।

2. पशु–पक्षी और हम

इस कहानी के शुरू में कई पशु – पक्षियों की चर्चा की गई है। कहानी में वे ऐसे कुछ काम करते हैं जैसे मनुष्य करते हैं। उनको ढूँढ़कर तालिका पूरी करो–

क:
पक्षी
क:
घर का पता लिखवाकर लाए हैं।

ख:
बूढ़ा चूहा
ख:
भाायद सर्दी लगने के कारण अंगीठी के पीछे छिपकर बैठा है।

ग:
बिल्ली
ग:
मन आया तो अंदर आकर दूध पी गई, मन आया तो बाहर से ही 'फिर आऊँगी' कहकर चली जाती है।

घ:
चमगादड़
घ:
शाम होते ही दो–तीन चमगादड़ कमरों के आर–पार पर फैलाकर कसरत करने लगते हैं।

ङ:
चींटियाँ
ङ:
चींटियों की फौज ही छावनी डाले हुए है।

3. मल्हार

नीचे दिए गए वाक्य को पढ़ो–

जब हम लोग नीचे उतरकर आए, तब वे फिर से मौजूद थीं और मजे से बैठी मल्हार गा रही थीं।

क:

अब तुम पता करो कि मल्हार क्या होता है? इस काम में तुम बड़ों की सहायता भी ले सकते हो।

क:

मल्हार संगीत में एक राग का नाम हैं। इसके बारें में कहा जाता है कि इसके गाने से बारिश होने लगती है।

ख:

बताओ कि क्या सचमुच चिड़ियाँ 'मल्हार गा सकती हैं?

ख:

चिड़ियॉं मल्हार नहीं गा सकतीं लेकिन उनका चहचहाना ऐसा लगता है कि मानो वे मल्हार गा रहीं हों।

ग:

बताओ की कहानी में चिड़ियों द्वारा मल्हार गाने की बात क्यों कही गई है?

ग:

चिड़ियॉं रात में कहीं और चली गई थीं । पर दूसरे दिन इतवार को जब उनका चहचहाना घोंसले में सुनाई दिया तो ऐसा लगा कि मानो वे खु ी से मल्हार गा रहीं हों क्योंकि उनको घर से निकालने के सभी प्रयास विफल हो चुके थे ।

4. पाठ से आगे

अलग–अलग पक्षी अलग–अलग तरह से घोंसला बनाते हैं। तुम कुछ पक्षियों के घोसलों के चित्र इकट्ठे करक उसे अपनी कॉपी पर चिपकाकर शिक्षक को दिखाओ।

उत्तर 4:

छात्र विभिन्न प्रकार के घोंसलों के चित्र इकट्ठा करके अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाकर अपने शिक्षक को दिखाएंगे।

5. अंदर आने के रास्ते

क:
पूरी कहानी में गौरैया, कहाँ–कहाँ से घर के अंदर घुसी थीं ? सूची बनाओ।
क:
चिड़ियॉ कभी दरवाजे से ,कभी बंद दरवाजे के नीचे से और कभी रोशानदान के टूटे शीशे में से घर के अन्दर घुसीं।

ख:
अब अपने घर के बारे में सोचो। तुम्हारे घर में यदि गौरैया आना चाहे तो वह कहाँ–कहाँ से अंदर घुस सकती है? इसे अपने शिक्षक को बताओ।
ख:
छात्र अपने घरो की बनावट के अनुसार अपने शिक्षक को चिड़ियों के घर में आने के रास्तें के बारे में बताएंगे।

6. कहने का अंदाज

माँ खिलखिलाकर हँस दीं।, इस वाक्य में 'खिलखिलाकर' शब्द बता रहा है कि माँ कैसे हँसी थीं। इसी प्रकार नीचे दिए गए रेखांकित शब्दों पर भी ध्यान दो। इन शब्दों से एक–एक वाक्य बनाओ।

क:
पिताजी ने झिड़ककर कहा, तू खड़ा क्या देख रहा है?
क:
मोहन ने अपने मित्र को झिड़ककर कहा कि अब तुम मेरे से बात मत करना ।

ख:
आज दरवाजे बंद रखो, , उन्होंने हुक्म दिया।
ख:
मालिक ने नौकर को हुक्म दिया कि बाजार से सामान लेकर आओ।

ग:
देखो जी, चिड़ियों को मत निकालो, माँ ने अबकी बार गंभीरता से कहा।
ग:
रवि ने अपने मित्र को गंभीरता से अपनी परीक्षा की तैयारी करने के लिए कहा ।

घ:
किसी को सचमुच बाहर निकालना हो, तो उसका घर तोड़ देना चाहिए, उन्होंने गुस्से में कहा।
घ:
पिताजी गुस्से में चिड़ियों को निकालने के लिए चल पड़े ।

7. किससे–क्यों–कैसे

पिताजी बोले, क्या मतलब? मैं कालीन बरबाद करवा लूँ ? ऊपर दिए गए वाक्य पर ध्यान दो और बताओ कि –

क:

पिताजी ने यह बात किससे कही?

क:

पिताजी ने मॉ से कहा ।

ख:

उन्होंने यह बात क्यों कही?

ख:

उन्होंने यह बात चिड़ियों से परेशान होकर कही ।

ग:

गौरैयों के आने से कालीन कैसे बरबाद होता?

ग:

गौरैयों के आने से उनके द्वारा तिनके बिखेरने और बीट करने से कालीन खराब होता ।

8. सराय

पिताजी कहते हैं कि यह घर सराय बना हुआ है।, ऊपर के वाक्य को पढ़ो और बताओ कि–

क:

सराय और घर में क्या अंतर होता है ? आपस में इस पर चर्चा करो।

क:

जिसमें एक ही परिवार के सब लोग मिलकर रहते हें उसे घर कहते हैं और जहॉ दूर–दूर से अलग–अलग जगहों से लोग आकर रुकते हैं उसे सराय कहते हैं।

ख:

पिताजी को अपना घर सराय क्यों लगता है?

ख:

चूहे ,चमगादड़ , चींटियों और चिड़ियों के कारण पिताजी को अपना घर सराय लगने लगा।

9. गौरैयों की चर्चा

मान लो तुम लेखक के घर की एक गौरैया हो। अब अपने साथी गौरैया को बताओ कि तुम्हारे साथ इस घर में क्या–क्या हुआ?

उत्तर 9:

बच्चे पढ़े पाठ के आधार पर अपने अनुभव से इस प्रश्न का उत्तर देंगे।

10. कैसे लगे

तुम्हें इस कहानी में कौन सबसे अधिक पसंद आया? तुम्हें उसकी कौन–सी बात सबसे अधिक अच्छी लगी?

क:

मॉ

क:

मॉ की चिड़ियों के प्रति ममता

ख:

पिताजी

ख:

अन्त में हारकर चिड़ियों का चहचहाना देखकर मुस्कुराना

ग:

लेखक

ग:

लेखक के द्वारा किया गया चिड़ियों और घरवालों का विवरण

घ:

गौरैया

घ:

गौरैया का हर प्रकार से घर में घुस आना

ङ:

चूहे

ङ:

चूहे का अँगीठी के पीछे बैठना।

च:
बिल्ली
च:
बिल्ली का घर में आना और दूध पीकर चले जाना और साथ में यह भी संदेश देना कि फिर आउँगी।

छ:
कबूतर
छ:
कबूतरों का गुटरगूँ करना

ज:
कोई अन्य/कुछ और
ज:
चमगादड़ो का पर फैलाकर कसरत करना ।

11. माँ की बात
नीचे माँ द्वारा कही गई कुछ बातें लिखी हुई हैं। उन्हें पढ़ो। अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं।एक दरवाजा खुला छोड़ो, बाकी दरवाजे बंद कर दो। तभी ये निकलेंगी। देखो जी, चिड़ियों को मत निकालो। अब तो इन्होंने अंडे भी दे दिए होंगे। अब ये यहाँ से नहीं जाएँगी। ,

अब बताओ कि–
क:
क्या माँ सचमुच चिड़ियों को घर से निकालना चाहती थीं?
क:
नहीं मॉ चिड़ियों को कभी भी नहीं निकालना चाहती थीं ।

ख:
माँ बार–बार क्यों कह रही थीं कि ये चिड़ियाँ नहीं जाएँगी?
ख:
चिड़ियों का अपना घोंसला बना हुआ था वह उनका घर था और वे अपने घर को किसी भी हालत में छोड़कर नहीं जा सकती थीं।

12. कहानी की चर्चा

क:

तुम्हारे विचार से इस कहानी को कौन सुना रहा है? तुम्हें यह किन बातों से पता चला?

क:

इस कहानी को लेखक सुना रहा है । कहानी के सजीव वर्णन से ऐसा लगा ।

ख:

लेखक ने यह अनुमान कैसे लगाया कि एक चूहा बूढ़ा है और उसको सर्दी लगती है?

ख:

चूहा अंगीठी से सटकर बैठा था जिससे लेखक ने अनुमान लगाया कि उसे सर्दी लग रही है ।

13. शब्द की समझ

चुक – चूक

क:

अब उनकी सहनशीलता चुक गई।

ख:

उनका निशाना चूक गया।

अब तुम भी इन शब्दों को समझो और उनसे वाक्य बनाओ।

1.

सुख – सूख

क:

सुख के क्षण अनमोल होते हैं

ख:

पानी के बिना पेड़ के पत्ते सूख गए ।

2.

धूल – धूल

क:

ऑधी के चलने से चारों तरफ धूल ही धूल हो गई ।

ख:

तेज बारिश से पूरी प्रकृति धुल गई ।

3.

सुना – सूना

क:

प्रधानमंत्री का भाषण सभी ने सुना

ख:

बच्चों के अपनी नानी के घर चले जाने से सारा घर सूना हो गया ।